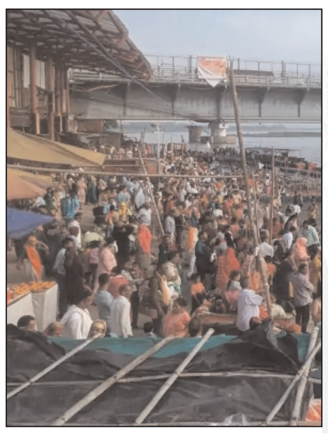

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पूर्णिमा के अवसर पर तिगरी एवं बृजघाट गंगा धाम में हजारों.. पेज: 7

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 60 | सोमवार 01 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दो दिवसीय दौरे पर झारखंड जाएंगे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, संगठनात्मक बैठक में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन छह जून से दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रहेंगे, जिस दौरान वह पार्टी के कई कार्यक्रमों और संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का झारखंड का यह पहला दौरा होगा। भाजपा की झारखंड इकाई के महासचिव अमर बाउरी ने कहा, "भाजपा अध्यक्ष छह जून को पूर्वा 11:30 बजे रांची हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। हवाई अड्डे के आसपास एक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उसी दिन वह पार्टी कार्यालय में आयोजित 'प्रबुद्धजन संवाद' कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे।" उन्होंने बताया कि सात जून को नितिन नवीन युवाओं के साथ संवाद करेंगे और विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे।

मन की बात में पीएम मोदी ने की एथलीट गुरिंदरवीर और अनिमेष से बात, नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने पर दी बधाई

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में देश के दो बेहतरीन एथलीटों, गुरिंदर वीर सिंह और अनिमेष कुजूर से फोन पर खास बातचीत की। इस बातचीत को पूरे देश ने सुना। पीएम मोदी ने रांची में हुई नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र करते हुए कहा कि वहां चार अलग-अलग स्पधाओं में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटे। उन्होंने रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीना और कुलदीप कुमार को दिल से बधाई दी। दो दिन में तीन बार टूटा रिकॉर्ड प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, "महज दो दिनों के भीतर 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय

रिकॉर्ड तीन बार टूटा। यह शानदार कामयाबी हासिल करने वाले दो एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर हैं। इसीलिए मैंने सोचा कि इस बार 'मन की बात' में इन दोनों एथलीटों से बात की जाए।" फुटबॉल से एथलेटिक्स में आए अनिमेष पीएम मोदी से बातचीत के दौरान एथलीट अनिमेष कुजूर ने अपने सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा, "पिछले साल मैंने नेशनल एशियन मेडल और वर्ल्ड

महज दो दिनों के भीतर 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, 'महज दो दिनों के भीतर 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा। यह शानदार कामयाबी हासिल करने वाले दो एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर हैं। इसीलिए मैंने सोचा कि इस बार 'मन की बात' में इन दोनों एथलीटों से बात की जाए।'

यूनिवर्सिटी गेम्स मेडल जीता। मैंने 2021 में स्कूल खत्म करने के बाद एथलेटिक्स की शुरूआत की थी। जब कोविड का दौर खत्म हो रहा था, तब मेरे फुटबॉल खेलने वाले दोस्तों ने मुझे स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन में भाग लेने को कहा। मैंने उसमें हिस्सा लिया, लेकिन मुझे नेशनल लेवल के चयन की जानकारी नहीं थी। मेरा चयन नेशनल लेवल पर हुआ और आज मैं इंटरनेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।"वर्दी और ट्रैक दोनों पर देश की सेवा वहीं, 100 मीटर में नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले एथलीट गुरिंदरवीर सिंह ने कहा, "मैं भारतीय नौसेना में पेटी ऑफिसर हूं। मैं 10.1 सेकंड से कम समय में दौड़ने वाला पहला भारतीय हूं। मैं ट्रैक पर और अपनी वर्दी में, दोनों तरह से देश की सेवा करने की कोशिश कर रहा हूं।" पिता और मिल्खा सिंह से मिली प्रेरणा गुरिंदरवीर ने अपनी प्रेरणा के बारे में बताते हुए कहा, "मेरे पिता मुझे अपने खेल और नेशनल मेडल जीतने की कहानियां सुनाया करते थे, जिससे मेरे अंदर भी खेल में आने की इच्छा जागी। वे मुझे अपने साथ ले जाते थे और उन्होंने मुझे वह सब सिखाया जो अपने खेल के दिनों में सीखा था। मैंने उसेन बोल्ट का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटते देखा था, तब मैंने अपनी मां से कहा था कि एक दिन ऐसा आएगा जब आप मुझे टीवी पर देखेंगी। मैं महान धावक मिल्खा सिंह और अपने पिता से बहुत प्रेरित हूं।"

योगी सरकार का भ्रष्टाचार पर बड़ा प्रहार, कमीशनखोरी करने वाले 2 अधिकारी सस्पेंड, पद का दुरुपयोग भी किया

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सख्त नीति को आगे बढ़ाते हुए व्यावसायिक शिक्षा विभाग के दो अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। गंभीर आरोपों में घिरे विभाग के सहायक निदेशक धीरेन्द्र कुमार झा और प्रधान सहायक इमरान अहमद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सरकार की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का अहम कदम माना जा रहा है। प्रमुख सचिव के आदेश पर हुआ निलंबन जानकारी के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने दोनों अधिकारियों के निलंबन के आदेश जारी किए। इसके बाद

प्रशिक्षण निदेशक अभिषेक सिंह ने आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कराया। विभागीय स्तर पर मिली शिकायतों और प्रारंभिक जांच के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। तबादलों के नाम पर धन उगाही के आरोप विभागीय सूत्रों के मुताबिक, सहायक निदेशक धीरेन्द्र कुमार झा पर स्थानांतरण प्रक्रिया में अनियमितताओं, कमीशनखोरी और पद के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि तबादलों को प्रभावित करने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों से धन की मांग की जाती थी। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों में यह भी दावा किया गया है कि स्थानांतरण कराने के बदले कथित तौर पर निर्धारित प्रतिशत के हिसाब से रकम वसूली जाती थी। प्रधान सहायक पर उत्पीड़न और भेदभाव के आरोप प्रधान सहायक इमरान अहमद के खिलाफ भी कई गंभीर शिकायतें दर्ज की गई थीं। उन पर भ्रष्टाचार के अलावा कर्मचारियों के उत्पीड़न और धार्मिक आधार पर भेदभाव करने के आरोप लगाए गए हैं। विभागीय स्तर पर हुई जांच में यह भी सामने आया कि कुछ मामलों में संगठित तरीके से काम करते हुए विभागीय प्रक्रियाओं को प्रभावित करने की कोशिश की गई। शिकायतों के जरिए दबाव बनाकर वसूली का आरोप आरोपों के अनुसार विभाग में अलग-अलग नामों से शिकायतें दर्ज कराई जाती थीं। बाद में उन्हीं शिकायतों के निस्तारण, जांच प्रभावित करने या कार्रवाई रोकने के नाम पर संबंधित कर्मचारियों से धन की मांग की जाती थी। अधिकारियों का मानना है

सीबीएसई के ट्रोल हुए छात्रों से राहुल गांधी ने की मुलाकात, मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई 12वीं क्लास के उन छात्रों से मुलाकात की है, जिन्हें सोशल मीडिया पर राष्ट्र-विरोधी, पाकिस्तानी और सोरोस का एजेंट कहकर निशाना बनाया जा रहा था। दरअसल, 12वीं बोर्ड के नतीजे आने के बाद इन छात्रों ने अपनी आंसर शीट की गड़बड़ियों को लेकर आवाज उठाई थी। एक छात्र के इस दावे के बाद भारी हंगामा मच गया था कि बोर्ड ने उसके रोल नंबर पर किसी और की आंसर शीट अपलोड कर दी है। बाद में सीबीएसई ने अपनी गलती मानी और जांच तेज करने की बात कही। राहुल गांधी ने कहा, जवाब के बदले मिला अपमान राहुल गांधी ने 'एक्स' पर छात्रों के

साथ बातचीत का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, "मेरे साथी राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंटों के साथ एक दिलचस्प बातचीत।" राहुल गांधी ने आगे कहा, "वेदांत और उसके दोस्त बहुत होशियार और बहादुर युवा भारतीय हैं, जिन्होंने सीबीएसई और मोदी सरकार से कुछ सीधे-सादे सवाल पूछे थे, लेकिन उन्हें जवाब के बदले अपमान मिला। वे एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के हकदार हैं और हम यह पक्का करेंगे कि उन्हें वह मिले।" सीबीएसई ने माना, अपलोड हुई थी गलत आंसर शीट यह मुलाकात तब हुई जब सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। बोर्ड ने माना था कि छात्र वेदांत श्रीवास्तव के रोल नंबर के तहत फिजिक्स की एक गलत आंसर शीट अपलोड हो गई थी। इस तकनीकी गड़बड़ी के सामने आने के बाद बोर्ड ने छात्र को उसकी सही आंसर शीट भेज दी है। राहुल गांधी ने वीडियो शेयर करते हुए उन लोगों की कड़ी आलोचना की, जिन्होंने वेदांत को ऑनलाइन ट्रोल किया था। आंसर शीट मांगने पर कहा 'पाकिस्तानी' राहुल गांधी से बातचीत के दौरान छात्र वेदांत ने सोशल मीडिया पर हुए दुर्व्यवहार का दर्द साझा किया। छात्र ने बताया, "वे हमें राष्ट्र-विरोधी और पाकिस्तानी कहने लगे। कुछ लोगों का मानना था कि हम कोई 'डीप स्टेट' के एजेंट हैं, जो भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।" छात्र की बात सुनकर राहुल गांधी ने ऑनलाइन हमलों की निंदा की और कहा, "आपका इस सब से कोई लेना-देना नहीं है।

अभिषेक बनर्जी के बाद अब कल्याण बनर्जी पर हमला, हुगली में टीएमसी नेता पर फेंकी गई लेदर बॉल

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल के हुगली में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी पर हमले की खबर सामने आई है। टीएमसी नेता का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर यह हमला किया है। उन्होंने दावा किया कि उनके सिर पर ड्यूज गेंद से वार किया गया। हमले के बाद टीएमसी नेता विरोध में सड़क पर ही लेट गए, जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें उठाया। इस घटना के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। काले कपड़े दिखाकर हुआ विरोध जानकारी के मुताबिक, कल्याण बनर्जी हुगली के चंडीपुर इलाके में चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर एक डेप्यूटेशन सौंपने जा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले कपड़े दिखाए और उनका भारी विरोध किया, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इससे पहले अभिषेक बनर्जी पर भी हुआ था हमला कल्याण

बनर्जी से पहले, शनिवार को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को भी सोनारपुर में स्थानीय लोगों के भारी विरोध और गुस्से का सामना करना पड़ा था। वे भी वहां चुनाव के बाद हुई हिंसा से पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे थे, जहां उन पर कथित तौर पर हमला कर दिया गया। फेंके गए थे पत्थर, जूते और अंडे सोनारपुर में हुए हंगामे के दौरान नाराज लोगों ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर पत्थर, जूते और अंडे फेंके थे। कुछ लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की करने और लात-घूंसे चलाने की कोशिश भी की थी, जिसमें उनकी कमीज फट गई थी। इस दौरान वहां मौजूद भीड़ ने उनके खिलाफ 'चोर-चोर' के नारे भी लगाए थे। ऐलान के बाद पहली बार पहुंचे थे सोनारपुर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद अभिषेक बनर्जी पहली बार इस तरह सार्वजनिक रूप से लोगों के बीच पहुंचे थे। इस दौरे का ऐलान शुक्रवार रात को ही किया गया था कि शनिवार को अभिषेक बनर्जी सोनारपुर नगरपालिका के वार्ड नंबर नौ (विवेकानंदनगर) में चुनावी हिंसा के शिकार संजू कर्मकार के परिवार से मिलने जाएंगे, जहां उनके पहुंचते ही यह हंगामा हो गया।

5 जून को बढ़ेगा असम कैबिनेट का कुनबा, हिमंत बिस्वा सरमा ने किया ऐलान

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि अगले सप्ताह नए मंत्रियों के शपथ लेने के साथ उनके मंत्रिपरिषद का विस्तार किया जाएगा। शर्मा को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य द्वारा 12 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गई थी। शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह मेंप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)-शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अन्य शीर्ष गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। मुख्यमंत्री के साथ चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अजंता नियोग और रामेश्वर तेली, असम गण परिषद के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरन बोरो शामिल थे। शर्मा ने एक्स पर लिखा, मुझे

यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि असम सरकार की मंत्रिपरिषद का विस्तार पांच जून, 2026 को किया जाएगा। उन्होंने मंत्रिपरिषद में शामिल किए जाने वाले नए मंत्रियों की संख्या या उनके नामों का उल्लेख नहीं किया। भाजपा के नेतृत्व वाला राजग राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में आया है। उसने 126 सदस्यीय विधानसभा में कुल 102 सीट हासिल कीं। भाजपा ने नौ अप्रैल को हुए चुनाव में 82 सीट जीतीं, जबकि उसके सहयोगी दलों असम गण परिषद और बीपीएफ ने 10-10 सीट पर जीत दर्ज की।

भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ एक्शन में बिहार सरकार, 2 आईएएस अधिकारियों को किया सस्पेंड

बिहार: सरकार ने भ्रष्टाचार के विभिन्न आरोपों के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के दो अधिकारियों अभिलाषा शर्मा और योगेश कुमार सागर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, विशेष सतकर्ता इकाई (एसवीयू) की रिपोर्ट, प्रवर्तन संबंधी अभिलेखों, बयानों तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इन साक्ष्यों में कथित रूप से रिश्वत, कमीशन और अनुचित वित्तीय लाभ स्वीकार करने के आरोप सामने आए हैं।k2017 बैच के आईएएस अधिकारी योगेश कुमार सागर, जो वर्तमान में समाज कल्याण विभाग में निदेशक पद पर कार्यरत हैं, इससे पहले बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (ब्यूडको) के प्रबंध निदेशक रह चुके हैं। वहीं 2014 बैच की आईएएस अधिकारी अभिलाषा शर्मा कार्रवाई के समय जीविका परियोजना की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

(सीईओ) के रूप में कार्यरत थीं। अधिसूचना में कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान दोनों अधिकारियों का मुख्यालय पटना स्थित सामान्य प्रशासन विभाग रहेगा। उन्हें अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के प्रावधानों के तहत जीवन-निर्वाह भत्ता (सब्सिस्टेंस अलाउंस) दिया जाएगा। यह कार्रवाई ठेकेदार एवं कथित टेंडर फिक्सिंग ऑपरेटर ऋषुश्री से जुड़ी अनियमितताओं की जांच के बाद की गई है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि आरोपी ने सरकारी निविदाओं (टेंडरों) में हेरफेर कर चुनिंदा ठेकेदारों को कमीशन के बदले अनुचित लाभ पहुंचाया। उल्लेखनीय है कि 27 मई को एसवीयू ने पटना स्थित ऋषुश्री के आवास पर छापेमारी की थी। तलाशी अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में सोने, चांदी और हीरे के आभूषण, नकदी, कई संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज तथा 61 संपत्ति के दस्तावेज (डीड) बरामद किए गए थे।

जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने संभाला नए सीडीएस का कार्यभार, सेना को आधुनिक बनाने पर जोर

नई दिल्ली एजेंसी: भारत सरकार की तरफ से देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनाए गए जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने आधिकारिक तौर पर अपना काम संभाल लिया है। वे पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान की जगह ले रहे हैं। इससे पहले वे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में देश की सुरक्षा रणनीति में अहम भूमिका निभा रहे थे। अब नए सीडीएस के ऊपर तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने और सेना को आधुनिक बनाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। पीएम के विजन 'जय ' को करेंगे पूरा नया पदभार संभालते हुए जनरल सुब्रमणि ने कहा, "मैं यह जिम्मेदारी मिलने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना और रक्षा मंत्रालय मिलकर देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। हम प्रधानमंत्री के विजन 'जय' यानी जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।" उन्होंने आगे कहा कि सेना को आत्मनिर्भर बनाना हमारी सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है और हम स्वदेशी हथियारों को बढ़ावा देंगे। पढ़ाई-लिखाई में भी रहे

हैं आगे 14 दिसंबर 1985 को 'गढ़वाल राइफल्स' की 8वीं बटालियन में शामिल होने वाले जनरल सुब्रमणि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के छात्र रहे हैं। उन्होंने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी सैन्य शिक्षा हासिल की है। वे ब्रिटेन के जॉइंट सर्विसेज कमांड स्टाफ

जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने आधिकारिक तौर पर देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। पदभार संभालते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री के 'खअक' विजन को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि तीनों सेनाएं मिलकर

कॉलेज से पढ़े हैं। उनके पास किंग्स कॉलेज लंदन से एमए और मद्रास यूनिवर्सिटी से डिफेंस स्टडीज में एम.फिल की डिग्रियां हैं। चीन और पाकिस्तान बॉर्डर का लंबा अनुभव जनरल सुब्रमणि को भारत की सबसे संवेदनशील और मुश्किल सीमाओं पर सेना का नेतृत्व करने का बहुत लंबा अनुभव है। उन्होंने असम में उग्रवाद के खिलाफ चले 'ऑपरेशन राइनो' में कमान संभाली थी। इसके अलावा उन्होंने जम्मू-कश्मीर में इन्फैंट्री ब्रिगेड और सेंट्रल सेक्टर में माउंटेन डिवीजन का नेतृत्व भी किया है। उनके करियर की बड़ी उपलब्धियों में पश्चिमी मोर्चे पर भारतीय सेना की मुख्य स्ट्राइक कोर '2 कोर' की कमान संभालना शामिल है। वे उप थल सेनाध्यक्ष भी रह चुके हैं। विदेशी मामलों और खुफिया विभाग के एक्सपर्ट फील्ड में सेना का नेतृत्व करने के साथ-साथ जनरल सुब्रमणि ने कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक पदों पर भी काम किया है। वे कजाकिस्तान में भारत के डिफेंस अटाशे (सैन्य दूत) के रूप में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने रक्षा मंत्रालय के मिलिट्री इंटेलिजेंस के उप महानिदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। उत्तरी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ रहते हुए उन्होंने चीन और पाकिस्तान दोनों सीमाओं की चुनौतियों को बहुत करीब से देखा है। सर्वोच्च सैन्य सम्मानों से नवाजे गए देश के प्रति उनकी शानदार और समर्पित सेवा के लिए

संपादकीय

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है। हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीघार्यु का महत्वपूर्ण स्त्रोत बताया गया है। भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्त्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूजीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना गलत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

जहरीली शराब का जहर: मौत का कारोबार कब रुकेगा?

कांतिलाल मांडोत

हर साल छिनती हैं सैकड़ों जिंदगियां, अब अवैध शराब के पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी...

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?*

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

यदि देश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का इतिहास देखा जाए तो सबसे अधिक चर्चा बिहार की होती है। बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना था, लेकिन इसके बाद अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब से होने वाली मौतों की कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। वर्ष 2016 में गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से लगभग 19 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब ने करीब 16 लोगों की जान ले ली। वर्ष 2022 बिहार के लिए सबसे भयावह साबित हुआ। मार्च 2022 में भागलपुर जिले में जहरीली शराब से 40 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। इसी वर्ष दिसंबर में सारण जिले में हुई त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया, जहां 70 से अधिक लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में भी मोतिहारी और सीवान सहित कई क्षेत्रों में जहरीली शराब से अनेक लोगों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2024 और 2025 में भी छिटपुट घटनाएं सामने आती रहीं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हालांकि यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी समय-समय पर ऐसी घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2022 में गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से 40 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर हुई एक घटना में लगभग 100 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब का कारोबार पूरे देश के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बड़ी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, छापेमारी होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कठोर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इसका कारण यह है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया जाता है। अवैध शराब का नेटवर्क गांवों, कस्बों और शहरों तक फैला हुआ है। इसमें शराब बनाने वाले, आपूर्ति करने वाले, बेचने वाले और कई बार संरक्षण देने वाले लोग भी शामिल होते हैं। जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

सरकारों को यह समझना होगा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। पुलिस, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। जहां अवैध शराब बनने या बिकने की आशंका हो, वहां नियमित निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही दोषियों को त्वरित और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि दूसरों के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश बने।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि कुछ रुपये बचाने के लिए खरीदी गई अवैध शराब उनकी जान ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू नशामुक्ति का है। शराब की लत केवल कानून से समाप्त नहीं होती। इसके लिए परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यदि सरकारें नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करें और लोगों को उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराएं तो शराब पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे अवैध शराब की मांग भी घटेगी।

महाराष्ट्र की ताजा घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जहरीली शराब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए यह केवल एक समाचार नहीं बल्कि जीवन भर का दुख है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

जहरीली शराब वास्तव में जानलेवा है। यह धीरे-धीरे नहीं, बल्कि कई बार कुछ घंटों में ही जीवन समाप्त कर देती है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र की घटना से सबक लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यापक रणनीति बनानी चाहिए जो अवैध शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा सके। जब तक अपराधियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा और समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। अब समय आ गया है कि इस मौत के कारोबार पर स्थायी और निर्णायक प्रहार किया जाए, ताकि किसी परिवार का चिराग जहरीली शराब की भेंट न चढ़े।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्ण एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्त्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्ण- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

जिलाधिकारी ने किया फूलपुर बिजलपुर गौशाला का निरीक्षण

गर्मी के दृष्टिगत पशुओं की बेहतर देखभाल किये जाने के दिये निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के द्वारा विकासखंड हसनपुर के ग्राम फूलपुर बिजलपुर गोशाला का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी को गौशाला में भूसे की उपलब्धता पर्याप्त पाई गई ।जिलाधिकारी ने टीन शेड का एक पिलर क्षतिग्रस्त होने पर खंड विकास अधिकारी को उसे शीघ्रता से ठीक करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की गौशाला में पशुओं को सूखा भूसा न दिया जाए और समय से पानी और भूसे में हरा चारा और खली मिला कर अवश्य दिया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा की गर्मी के दृष्टिगत पशुओं का विशेष ध्यान दिया जाए। समय-समय पर पानी चारा का ख्याल रखा जाए, गर्मी में किसी भी पशु को दिक्कत ना हो यह सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने खली चोकर गोदाम में पहुंचकर उपलब्धता देखी और कहा कि कोई भी पशु बीमार नहीं रहना चाहिए त्वरित इलाज पशुओं को दिया जाना चाहिए। वहीं बीमार पशुओं के त्वरित इलाज के निर्देश भी संबंधित को दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी हसनपुर, खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वर्गीय शक्ति अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर में स्वर्गीय शक्ति अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को जय ओम नगर स्थित शक्ति भवन में अग्रवाल समाज अमरोहा के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अग्रवाल समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में अग्रबंधुओं ने अपना बहुमूल्य समय देकर रक्तदान किया। वहीं उपस्थित लोगों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस पुनीत कार्य की सराहना की। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम में संरक्षक शंभू दयाल अग्रवाल, अध्यक्ष विशाल गर्ग, महामंत्री आकाश गोयल, कोषाध्यक्ष अचल अग्रवाल तथा कार्यक्रम संयोजक दीपक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। शिविर में विशाल गर्ग, मनोज गोयल, संदीप गोयल, अनुभव गोयल, वैभव गोयल, अचल अग्रवाल, अक्षत अग्रवाल, देवांश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, राजेश मित्तल, अधिवक्ता कपिल अग्रवाल, दर्पण अग्रवाल, सुशील गोयल, सिद्धार्थ अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, नव अग्रवाल, सुलभ अग्रवाल, रचना अग्रवाल और गीता अग्रवाल ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया।

जनगणना कर रहे शिक्षक से अभद्रता करने वाले पर तहसीलदार से की कार्रवाई की मांग

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी के ग्राम ईटा में जनगणना कार्य में लगे प्रगणक शिक्षक शिव कुमार के साथ एक ग्रामीण द्वारा अभद्रता, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना से आक्रोशित शिक्षकों ने गुरुवार को तहसीलदार हसनपुर से मिलकर आरोपी ग्रामीण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। लछ्छइ नंबर 772 पर तैनात शिक्षक शिव कुमार ने बताया कि सरकारी ड्यूटी के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया, जिससे जनगणना कार्य प्रभावित हो रहा है। इस दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि सरकारी कार्य में बाधा डालने और शिक्षकों से अभद्रता करने वालों पर तत्काल FIR दर्ज हो। उन्होंने प्रशासन से प्रगणकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। इस मौके पर मितेश नागर, पवन कुमार, बलवीर सिंह, सुंदर सिंह, प्रमोद कुमार, कमरे आलम, मनोज कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संघ आंदोलन को बाध्य होगा।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर जिला मजिस्ट्रेट ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में आयोजित उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। डॉ. नितिन गौड़ ने परीक्षा शुरू होने से पहले और दौरान कई महत्वपूर्ण केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर केन्द्राध्यक्षों, सुरक्षा अधिकारियों एवं स्टाफ से व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा हॉल, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी निगरानी, विद्यार्थियों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय तथा बाहरी सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। जिला मजिस्ट्रेट ने केन्द्रों पर तैनात पुलिस बल, एंटी-नकलिंग दस्ते तथा अन्य अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अनियमितता या नकल की कोशिश पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसकी पूरी जिम्मेदारी लेते हुए व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी जाएं ।डॉ. गौड़ ने कहा, उत्तर प्रदेश बीएड प्रवेश परीक्षा युवाओं के भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण परीक्षा है। इसे शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराना हमारी जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन की सतर्कता और सक्रियता से परीक्षा सुचारु रूप से चल रही है। अमरोहा में इस बार सैकड़ों परीक्षार्थी बीएड सीट के लिए परीक्षा दे रहे हैं। जिला प्रशासन ने परीक्षा को लेकर पूरी तैयारियां पहले से ही सुनिश्चित कर ली थीं।

डिडौली क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पति समेत चार पर मुकदमा दर्ज

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में डिडौली पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर ससुराल पक्ष के पति समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि मृतका ने अपनी मौत से पहले पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों पर जहर देकर मारने का गंभीर आरोप लगाया था। डिडौली पुलिस ने इस मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम जिवाई निवासी मोहम्मद खालिद ने पुलिस को बताया कि उन्होंने लगभग चार वर्ष पूर्व अपनी बेटी महरबी का विवाह ग्राम गंदासपुर निवासी बब्लू पुत्र साहिद के साथ किया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति बब्लू और उसके परिवार के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर महरबी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। उसे आए दिन ताने दिए जाते थे और मारपीट भी की जाती थी। पीड़ित पिता के अनुसार, कुछ समय पहले भी दहेज की मांग पूरी न होने पर महरबी को घर से निकाल दिया गया था। हालांकि, रिश्तेदारों और समाज के लोगों के समझाने-बुझाने पर उसे दोबारा ससुराल भेज दिया गया था, लेकिन ससुराल पक्ष के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया ।बताया गया कि शनिवार दोपहर करीब दो बजे महरबी को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर उसकी बहन सायमा और रिश्तेदार अमीरुल उसे देखने पहुंचे। आरोप है कि अस्पताल में महरबी ने बताया कि उसके पति बब्लू, सास भूरी, ससुर साहिद और देवर बाबू ने मिलकर उसे जहर दिया है,शाम को उपचार के दौरान मुरादाबाद के सिविल लाइंस स्थित अस्पताल में महरबी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतका के पिता ने इसे दहेज हत्या बताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। डिडौली कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है ।मुकदमा दर्ज होने के बाद रविवार सुबह अमरोहा की फॉरेंसिक टीम विवाहिता के घर पहुंची और पीड़ित परिवार से जानकारी जुटाई। वहीं डिडौली पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है मामले में जांच पड़ताल की जा रही है जांच के बाद अग्रिम कार्यवाही अम्ल में लाई जाएगी।

नगर में रैली निकालकर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई अहिल्याबाई होलकर की जयंती

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती के अवसर पर नगर में भव्य रैली निकाली गई जिसको नगर के मुख्य मार्गो से होकर निकाला गया। नगर वासी लोगों ने रैली का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन भी मस्त तहत रहा। बता दें कि रविवार को गजरौला नगर में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती को बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा के नेतृत्व में एक भव्य रैली का भी आयोजन कराया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए। जयंती के अवसर पर रैली को शहर के मुख्य मार्गो से होकर निकाला गया। नगर वासियों ने जगह-जगह रैली पर पुष्प वर्षा कर एवं उसमें शामिल गणमान्य लोगों को मालाएं पहनाकर स्वागत किया वहीं लोगों ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के प्रति अपनी श्रद्धा भी व्यक्त की। रैली के दौरान पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट दिखाई दिया ।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने माता अहिल्याबाई होलकर के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल में जनकल्याण, महिला सशक्तिकरण, धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण और समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए, उनका जीवन त्याग, सेवा और सुशासन का अनुपम उदाहरण है, जिससे वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया और भारतीय संस्कृति एवं विरासत को सहेजने में अहम भूमिका निभाई। उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं रैली के समापन पर उपस्थित लोगों ने माता अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों को अपनाने और समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक एवं सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

द आर्यन्स में आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का किया गया समापन

अमरोहा (सब का सपना):- जोया के द आर्यंस में 12वें समर कैंप का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन कराया गया। इस सात दिवसीय शिविर का आयोजन 22 मई से चल रहा था। जिसमें बच्चों ने विभिन्न ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करके सीखी गई नृत्य,गायन और वादन आदि की प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह तथा निदेशक अमन लिट्ट व गौरव चौधरी और प्रधानाचार्य आदेश सिंह द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ माल्यार्पण कर किया गया। द आर्यन्स स्कूल में आयोजित समर कैंप में आस-पास के विभिन्न स्कूलों से 7 से 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। जिसका समय प्रातः 8:00 से 10:40 तक रखा गया। समर कैंप में विभिन्न गतिविधियों में इनडोर गेम, आउटडोर,खो-खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल,टेबल टेनिस, टैटू आर्ट, फोटोग्राफी, स्केटिंग,ताइक्वांडो,शतरंज, क्रिकेट, योगा, कंप्यूटर, संगीत,नृत्य, गायन, पाककला, घुड़सवारी, अंग्रेजी में वातार्लाप करना,मिट्टी के बर्तन बनाना,विज्ञान प्रयोग, चित्रकला में कला और शिल्प तथा साहित्यिक रचना अंग्रेजी आदि विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग कर विद्यार्थियों ने अपनी सीखी हुई कला का बारी-बारी से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं ने सभी गतिविधियों में से 2-2 गतिविधियों का चयन किया। जिसमें कक्षा एलङ्केङ्जीङ्ग से जिविषा सिंह और कक्षा 1 से हितांश चौधरी ने नाहिद रहमान नेहा खान और शिवानी गुप्ता व चांदनी बत्रा के मार्गदर्शन में नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी। साक्षी पांडे के द्वारा कक्षा 7 से अग्नि देओल ने अंग्रेजी बोलने लिखने के साथ व्यवहारिक ज्ञान एवं नृत्य कला को सीखा। स्केटिंग कोच अनुराग सक्सेना और कुमुद भारद्वाज ने संयुक्त रूप से स्केटिंग को सिखाते हुए उससे होने वाले फायदे बताए जैसे शरीर में लचीलापन,गति व स्फूर्ति रहती है। स्केटिंग प्रतियोगिता में जिग जैग रेस, बैक स्केटिंग,हॉकी ब्रेक रेस और चैन रेस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। जिसमें कक्षा 6 से आशीष गुप्ता और कक्षा 8 से मयंक चौधरी को बेहतरीन संतुलन और प्रदर्शन के लिए श्रेष्ठ स्केटर का खिताब दिया गया। अश्विनी चौधरी ने कैरम खेल के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को लक्ष्य निर्धारण तथा उसके लिए उपयुक्त रणनीति का चुनाव करना चाहिए। इस प्रतियोगिता में कक्षा 7 से मोहम्मद अरीब और कार्तिक सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की ' खो- खो खेल में दर्श चौधरी ने अच्छा प्रदर्शन किया। पॉटरी (मिट्टी शिल्प) में छोटेलाल के दिशा निर्देश में विराट चौधरी और निधि ने मिट्टी को खूबसूरत आकार दिए। विधि और अदिति ने नृत्य के तौर तरीकों को समझाते हुए कहा कि इससे मन मस्तिष्क को एकाग्रचित्त करना सरल होता है, इसमें अधिकतर प्रतिभागियों ने शास्त्रीय नृत्य के परिधान में शास्त्र के अनुरूप नृत्य की प्रस्तुति दी। नृत्य में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में कक्षा 3 से मिष्टी और कक्षा चार से आनाया ने अपनी थिरकन से सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। हस्तशिल्प को सिखाते हुए संतोष कुमार व अंजना ने कहा यह कौशल और प्रतिभाओं को असंख्य अवसर प्रदान करता है, वॉल हैंगिंग,ग्लास पेंटिंग, थ्रेड पेंटिंग और पोट मेकिंग आदि हस्तशिल्प प्रदर्शनी में कक्षा 5 से मिताली ने अपनी प्रतिभा दिखाई। रचना ने टेबल टेनिस खिलाते हुए बच्चों से कहा कि यह एक ऐसा खेल है जो न सिर्फ मनोरंजन कराता है बल्कि बच्चों को लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर उसे हासिल करने की कला भी सिखाता है। इसमें कक्षा 7 से दर्श चौधरी ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया ' दीपांशी और खुशबू से कक्षा 5 के छात्र पारु ने योगाभ्यास व योग करना स्वास्थ्य के लिए क्यों जरूरी है? को जाना तथा योग क्रियाओं में प्रवीणता हासिल कर उत्तम जीवन जीने की प्रेरणा ली। शतरंज खेल के बारे में मोनिका यादव ने बच्चों को बताया कि इससे गहराई से सोचने और खोज करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है, इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कक्षा तीन से देव प्रताप और कक्षा 6 से विधान कुमार ने किया। घुड़सवारी में मनोज सिंह व अनुज यादव ने कक्षा चार के छात्र जक्ष अलोना व कक्षा 6 की छात्रा मनस्वी चौधरी को घुड़सवारी में बेहतरीन तालमेल करना सिखाया। वॉलीबॉल खेल में प्रणब मिश्रा ने कक्षा 8 के छात्र क्षितिज को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में चुना। अंग्रेजी साहित्य के ज्ञानार्जन में अवनी देओल ने साक्षी पांडे से दक्षता प्राप्त की। आज के आधुनिक समय में अंग्रेजी सीखने के लिए सिर्फ पुस्तकों की ही नहीं बल्कि उसके माहौल में उतरने की जरूरत होती है को बड़े ही सुंदर ढंग से समझाया। कंप्यूटर की विभिन्न गतिविधियों को सिखाते हुए अभिषेक सुमन और प्रियांशी ने कहा कि श्रेष्ठ प्रदर्शन ही एक सफल व्यक्ति को औसत व्यक्ति से अलग करता है, कंप्यूटर में कक्षा 5 की छात्रा लावन्या सिंह सिद्धू और नक्ष ने विभिन्न गतिविधियों को लग्न के साथ सीखा। ताइक्वांडो के कोच आदित्य पाल ने बताया कि ताइक्वांडो में किया गया शारीरिक प्रशिक्षण उद्देश्य पूर्ण है और मानसिक आयु के माध्यम से मन की शक्ति को बढ़ावा देता है ' इसमें सुरभि की भी अहम भूमिका रही। ताइक्वांडो में कक्षा 8 की छात्रा सनाया यादव और कक्षा 6 की छात्रा प्रिंसी ने अपने पंच का दम दिखाया ' सरिता वर्मा व ममता वर्मा ने छात्राओं को बड़े ही व्यवस्थित ढंग से पाकक्रिया की विधि से अवगत कराया। जिसमें कक्षा तीन की छात्रा आरोही ने अपनी कला कौशल का प्रदर्शन किया। टैटू आर्ट में नाहिद नकवी ने कक्षा 4 के छात्र मोहम्मद सैफी और कक्षा 6 की छात्रा वैष्णवी को उत्कृष्ट शैली के टैटू बनाने सिखाए। विज्ञान प्रयोग में विज्ञान प्रशिक्षक राहुल के मार्गदर्शन में कक्षा चार की छात्रा जक्ष अलूना व कक्षा 6 की छात्रा मनस्वी चौधरी जैसी छात्राओं ने अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देते हुए अपने नए और अनोखे प्रयोग से सबको हैरान कर दिया। फोटोग्राफी में विपिन कुमार से कक्षा चार के छात्र हैदर अली ने बुनियादी चीजों को बड़े ही अच्छे ढंग से समझा। विद्यालय के निदेशक व क्रिकेट कोच अमन लिट्ट, फुरकान सैफी और इस्तेकार से कक्षा 8 के छात्र आदित्य चौधरी कक्षा 7 से यशमीत सिंह, कक्षा 3 से घौरी अली व विराट देओल आदि विद्यार्थियों ने क्रिकेट की बारीकियों को सीखकर , सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस पूरे समर कैंप को कामयाब बनाने में विशेष रूप से आमंत्रित प्रशिक्षकों का बड़ा योगदान रहा। स्केटिंग में अनुराग सक्सेना, ताइक्वांडो में आदित्य पाल, हॉर्स राइडिंग में मनोज और पॉटरी में छोटे लाल ने छात्र-छात्राओं को पूरे समर्पण के साथ सिखाया। समर कैंप के समापन का संचालन यक्षी और अवनि देओल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास होता है और उनमें एक नया आत्मविश्वास जागता है और विद्यार्थियों के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने के अवसर प्राप्त होते हैं तथा विविध रुचियों व क्षमताओं को प्रोत्साहन मिलता है, साथ ही विद्यालय के प्रबंधक चौधरी सिंह तथा अनिल कुमार सिंह एवं निदेशक गौरव चौधरी और अमन लिट्ट ने सभी बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर विद्यालय निदेशक अमन लिट्ट ने कहा कि समर कैम्प में जहां बच्चे मौज मस्ती करते-करते ही नवीन चीजों के विषय में सीखते हैं, वहीं इस प्रकार की क्रियाएं उनके मन मस्तिष्क को विकसित करने में सहायक होती हैं। विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रशस्तिपत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया तथा सभी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र व पुरस्कार भी प्रदान किए गए इस अवसर पर समस्त शिक्षक गण मौजूद रहे '

झटका मशीनों पर प्रतिबंध की मांग, संगठनों ने जिलाधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- गौ सेवा संस्थान एवं समाज हित संरक्षण समिति के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने झटका मशीनों की बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि खेतों, छतों और अन्य स्थानों पर लगाए जा रहे झटका मशीनों के तारों से पशुओं और आम लोगों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। संगठनों का आरोप है कि इन तारों में प्रवाहित होने वाले तेज करंट की वजह से गौवंश सहित अन्य पशु

घायल हो रहे हैं। साथ ही कई स्थानों पर तार नीचे होने के कारण बच्चों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कुछ लोग खेतों की सुरक्षा के नाम पर झटका मशीनों के तारों में सामान्य विद्युत करंट प्रवाहित कर रहे हैं, जिससे जानलेवा हादसे हो रहे हैं। संगठनों ने दावा किया कि हाल के महीनों में ऐसे मामलों में कई लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने प्रशासन से झटका मशीनों की बिक्री पर रोक लगाने तथा पहले से लगाए गए तारों को हटवाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जनहित और पशु संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। इस दौरान विकास बजरंगी,नितिन नागर, नवीन सर्राफ (सभासद), ठाकुर प्रीताम्बर सिंह, जवाहर यादव भगत जी तथा हनुमान मंदिर के पुजारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सांड के हमले में चारा काट रहे किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- शनिवार शाम खेत पर चारा लेने गए एक बुजुर्ग किसान पर सांड ने हमला कर दिया जिसमे किसान घायल हो गया, जानकारी मिलने पर परिजन उसे सीएचसी बहजोई लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार जनपद के थाना कैलादेवी क्षेत्र के गांव बरखेड़ा सौनक में कररू पुत्र सरदार 66 वर्षीय शनिवार शाम अपने खेत पर पशुओं के लिए चारा लेने गए थे। बताया जाता है कि वह खेत में चारा काट रहे थे, तभी अचानक एक सांड वहां पहुंच गया

और उन पर हमला कर दिया। सांड ने बुजुर्ग को कई बार पटक-पटक कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा घायल किसान को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक को उनके चचेरे भाई रामकिशोर पुत्र रामस्वरूप सरकारी अस्पताल बहजोई लेकर पहुंचे थे। बुजुर्ग किसान की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा सांडों और अन्य पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे किसानों की जान जोखिम में पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा पशुओं को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर भेजने तथा किसानों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में किसानों का बिजलीघर पर घेराव

किसानों और अधिकारियों के बीच हुई वार्ता,आश्वासन के बाद समाप्त हुआ धरना प्रदर्शन

संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के नेतृत्व में शनिवार को लखौरी जलालपुर, खिरनी और सिंहपुर सानी क्षेत्र में हो रही अघोषित बिजली कटौती के विरोध में किसानों ने सिंहपुर सानी बिजलीघर का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने बिजली आपूर्ति में सुधार, लो-वोल्टेज की समस्या दूर करने तथा जर्जर विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठाई। जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि सिंहपुर सानी बिजलीघर में ट्रांसफार्मर ओवरलोड, लो-वोल्टेज, जर्जर तारों और रात्रि में कर्मचारियों की अनुपलब्धता के कारण किसान भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। नलकूपों को पर्याप्त बिजली न मिलने से फसलें सूखने की कगार पर पहुंच रही हैं। जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा 18 घंटे बिजली आपूर्ति के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल रही है। घेराव की सूचना मिलने पर एसडीओ चन्द्रभूषण सिंह और जेई रवीश कुमार त्यागी मौके पर पहुंचे। किसानों और विद्युत विभाग के अधिकारियों के बीच करीब दो घंटे तक वार्ता हुई। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि 24 घंटे के भीतर रोस्टर के अनुसार नियमित बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। साथ ही जर्जर तारों और खराब ट्रांसफार्मरों को 48 घंटे के भीतर बदलने तथा बिजलीघर पर रात्रि कर्मचारी की तैनाती सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने अपना घेराव समाप्त कर दिया। इस दौरान युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौधरी ऋषिपाल सिंह, जिला मंत्री खेमपाल यादव, सुफियान पाशा, सुरेन्द्र सिंह, राजीव कुमार, श्रीपाल यादव, चेतन सिंह, चंद्रपाल सिंह, भूदेव सिंह, हेमेंद्र सिंह, महेश कुमार, गुरमीत सिंह, विवेक शर्मा, रिशु, मोहित शर्मा, प्रकाशवीर चौधरी सहित महिला मोर्चा की ननिहा देवी, सोनी शर्मा, भूरी देवी, कश्मीरी देवी और रामवती समेत बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में 7 बिखरे परिवारों का हुआ पुनर्मिलन, 55 मामलों की सुनवाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन बहजोई में थानाध्यक्ष डॉ. रूकमपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलिंग के दौरान कुल 55 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 25 मामलों का

निस्तारण किया गया। वहीं 7 परिवारों को आपसी सहमति के आधार पर पुनः मिलाया गया। इसके अलावा 8 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई, जबकि 10 पत्रावलियों को आवेदक अथवा आवेदिका के उपस्थित न होने एवं रुचि न दिखाने के कारण बंद कर दिया गया। काउंसलिंग के दौरान एक विशेष मामला भी सामने आया, जिसमें शादी के 25 वर्ष बाद तथा बेटी की शादी होने के करीब डेढ़ वर्ष बाद पति-पत्नी के बीच विवाद उत्पन्न हो गया था। बहजोई निवासी इस दंपति की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की गई थी। मामला परिवार परामर्श केंद्र भेजे जाने के बाद दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई गई और समझौता करा दिया गया। समझौते के बाद दंपति ने पुलिस और काउंसलिंग टीम का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर काउंसलर लवमोहन वार्ष्णेय, पूनम अरोरा, श्वेता गुप्ता, बबीता शर्मा, सीमा आर्या, कंचन माहेश्वरी, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत, महिला आरक्षी ज्योति तथा विनीता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध कब्जों के खिलाफ चला अभियान, तालाब और सरकारी भूमि कराई कब्जामुक्त

तालाबों, चकमार्गों एवं अन्य सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा नहीं किया जाएगा बर्दाश्त:- डीएम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जनपद में चकमार्गों, तालाबों एवं सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी है। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं खण्ड विकास अधिकारियों को सरकारी भूमि और बड़े तालाबों का चिन्हीकरण कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में शनिवार को उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकासचन्द्र के नेतृत्व में राजस्व टीम ने तहसील गुन्नौर के ग्राम डुमायल में गाटा संख्या 636, 638, 641, 642, 643, 644, 645 एवं 646 स्थित लगभग 80 बीघा तालाब की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। उप जिलाधिकारी ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। चन्दौसी तहसील में उप जिलाधिकारी नीतू रानी के निर्देशन में नायब तहसीलदार सतेन्द्र चाहर के नेतृत्व में राजस्व एवं विकास विभाग की टीम ने ग्राम मिजार्पुर नसीररूल्लापुर में चकमार्ग, तालाब और बंजर भूमि पर हुए अवैध कब्जों को हटाकर भूमि ग्राम प्रधान को सुपुर्द कर दी। वहीं सम्भल तहसील में उप जिलाधिकारी निधि पटेल के निर्देशन में तहसीलदार धीरेन्द्र कुमार सिंह तथा नायब तहसीलदार दीपक जुरैल ने ग्राम फतेहपुर उत्तमा में लगभग 2.5 हेक्टेयर क्षेत्रफल की झील का चिन्हीकरण कर उसे कब्जामुक्त कराया और विकास विभाग को सौंप दिया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट कहा कि जनपद में तालाबों, चकमार्गों एवं अन्य सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के लिए तालाबों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, इसलिए अतिक्रमण हटाने और सरकारी भूमि को सुरक्षित कराने की कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर, आयुष्मान कार्ड और ट्रॉमा सेंटर की समीक्षा

कैंसर जागरूकता, आभा आईडी और ई-संजीवनी पर किया गया विशेष फोकस

बहजोई/संभल(सब का सपना): कलैक्ट्रेट सभागार बहजोई में शनिवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं, आयुष्मान कार्ड निर्माण, ट्रॉमा सेंटर, आभा आईडी, ई-संजीवनी ओपीडी तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) ने जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य इकाइयों की स्थिति का प्रस्तुतीकरण किया। नवीन उपकेन्द्र भवनों के निर्माण के लिए भूमि उपलब्धता की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 34 प्रस्तावित उपकेन्द्रों में से 10 के लिए अभी भूमि उपलब्ध नहीं हो सकी है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित उपकेन्द्रों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ट्रॉमा सेंटर को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आयुष्मान कार्ड निर्माण की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्य में तेजी लाने और इसे मिशन मोड में संचालित करने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना, आरसीएच फीडिंग और चिकित्सकों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। बैठक में ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं जागरूकता कार्यक्रमों पर चर्चा हुई तथा एचपीवी टीकाकरण अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। आभा आईडी निर्माण और स्वास्थ्य शिविरों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संयुक्त शिविर आयोजित करने पर जोर दिया। वहीं ई-संजीवनी ओपीडी की ब्लॉकवार समीक्षा में प्रत्येक ब्लॉक को प्रतिदिन न्यूनतम 10 ऑनलाइन परामर्श का लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक 15 दिन में ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित करने तथा उसकी प्रगति रिपोर्ट जिला स्वास्थ्य समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई, समस्त एमओआईसी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

हजरत मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी का 15वाँ सालाना उर्स अकीदत के साथ मनाया गया

संभल (सब का सपना):- ईदगाह संभल के पूर्व शाही इमाम, प्रख्यात इस्लामी विद्वान एवं कई धार्मिक पुस्तकों के लेखक हजरत अल्लामा शाह मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी कादरी रहमतुल्लाह अलैह का 15वाँ सालाना उर्स शाम बाद नमाज-ए-मगरिब कादरी मंज़िल, कोट शकी संभल में श्रद्धा, सम्मान और आध्यात्मिक माहौल के बीच आयोजित किया गया। उर्स में उलेमा, इमाम, सामाजिक कार्यकताओं और बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर हजरत मुफ़्ती साहब को खिराज-ए-अकीदत पेश किया।

कार्यक्रम की शुरूआत कारी मोहम्मद इमरान द्वारा पवित्र कुरआन शरीफ की तिलावत से हुई। इसके बाद सैयद मिन्हाजुल कादिर ने नात-ए-पाक और मनकबत पेश की, जिसे उपस्थित लोगों ने बड़े ध्यान और श्रद्धा के साथ सुना। वक्ताओं ने हजरत मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी रहमतुल्लाह अलैह की धार्मिक, शैक्षिक और सामाजिक सेवाओं को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी इस्लाम की शिक्षा के प्रचार-प्रसार, लोगों की धार्मिक रहनुमाई, फतवा लेखन और समाज सुधार के कार्यों में समर्पित कर दी। उलेमा ने याद कीं धार्मिक और सामाजिक सेवाएं, देश में अमन-चैन की हुई दुआ मुख्य वक्ता

मुफ़्ती मिस्बाहुल हसन नईमी (मुरादाबाद) ने अपने संबोधन में कहा कि हजरत मुफ़्ती फारूक हामिदी ने हमेशा मोहब्बत, भाईचारे, इंसानियत और एकता का संदेश दिया। उनकी लिखी किताबें और दी गई शिक्षाएं आज भी लोगों के लिए मार्गदर्शन का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे महान विद्वानों की शिक्षाओं को अपनाकर ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।कार्यक्रम में मौलाना फैजान अशरफ हामिदी ने शजरा शरीफ पढ़ा, जबकि सलातो-सलाम के बाद मौलाना सैयद यजदानी मियाँ ने दुआ कराई। दुआ में मरहूम की मगफिरत, देश में अमन-चैन, मुस्लिम समाज की तरक्की और संभल की खुशहाली की कामना की गई। उर्स के समापन पर कारी बुरहान अशरफ हामिदी और कारी गाजी अशरफ हामिदी की ओर से लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे हजरत मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी रहमतुल्लाह अलैह के मिशन और शिक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए समाज सेवा और भाईचारे के कार्यों में योगदान देते रहेंगे।

इस अवसर पर मौलाना नफीस अख़्तर अशरफी, मौलाना कारी इरफान लतीफी, मौलाना शुऐब अमजदी, मुफ़्ती मिस्बाहुल हसन नईमी, मौलाना सलीम अशरफ हामिदी, मौलाना मुज्तबा हसन अशरफी, कारी बद्र आलम निजामी, मौलाना नईम अशरफ, कारी मोहम्मद बिलाल, मुफ़्ती गुलफाम रजा, मुफ़्ती अय्यूब मिस्बाही, मुफ़्ती जैनुल आबिदीन, मौलाना सैयद मोहम्मद रिजवानी, कारी मआविया हसन, मुगीस अशरफ, कारी फाइक अशरफ हामिदी, सय्यद अरबाब नकवी, हाफिज असद बरकाती, हाफिज जाबिर, हाफिज वसीम अकरम सहित अनेक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ।

अवैध खनन पर प्रशासन का बड़ा एक्शन, 13 वाहन सीज, 27 लोगों का चालान

जुनावई/संभल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन और नियम विरुद्ध वाहन संचालन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को थाना जुनावई क्षेत्र में प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू, परिवहन विभाग, खनन विभाग तथा थानाध्यक्ष धीरज सिंह के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कई वाहनों की जांच की गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम ने क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों और खनिजों के परिवहन में लगे वाहनों की गहन जांच की। जांच के दौरान नियमों की अनदेखी करते हुए संचालित पाए गए वाहनों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ

कार्रवाई करते हुए शांति भंग की आशंका के तहत 27 व्यक्तियों का चालान किया गया। सभी को उपजिलाधिकारी गुन्नौर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अभियान के दौरान खनन एवं परिवहन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले 13 वाहनों को सीज कर पुलिस लाइन बहजोई भेज दिया गया। इसके अलावा 5 अन्य वाहनों का चालान भी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध खनन पर रोक लगाने और नियमों के अनुरूप वाहन संचालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि अवैध खनन से सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचता है और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जनपद में ऐसे मामलों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी अवैध खनन या नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों और वाहन स्वामियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद खनन कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया, जबकि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था एवं राजस्व हितों की रक्षा के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

स्योहारा में गैस आपूर्ति को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी, जांच की मांग

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर की इंडेन गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि एक ही नगर में संचालित दो गैस एजेंसियों की बुकिंग एवं वितरण व्यवस्था में भारी अंतर है, जिससे हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निवासी एवं उपभोक्ता संजीव गर्ग द्वारा इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया कि स्योहारा इंडेन गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं की नई बुकिंग लगभग 45 दिन बाद स्वीकार की जाती है तथा गैस सिलेंडर 50 से 55 दिन के बाद उपलब्ध हो पाता है। जबकि नगर में ही संचालित तेज इंडेन गैस एजेंसी पर 25 दिन बाद बुकिंग हो जाती है और उपभोक्ताओं को 27 से 28 दिन के भीतर गैस सिलेंडर मिल जाता है। उपभोक्ता दिनेश, इदरीश, नरेंद्र कुमार, सुधीर कुमार सहित अन्य लोगों का कहना है कि अधिकांश परिवारों में एक घरेलू गैस सिलेंडर लगभग 30 दिन में समाप्त हो जाता है। ऐसे में 50 से 55 दिन तक प्रतीक्षा करना उपभोक्ताओं के लिए बड़ी समस्या बन जाता है। उनका कहना है कि एक ही कंपनी की दो एजेंसियों में नगर क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए इतनी बड़ी असमानता समझ से परे है। उपभोक्ताओं ने मांग की है कि संबंधित तेल कंपनी एवं प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएं तथा यह स्पष्ट करें कि दोनों एजेंसियों की आपूर्ति व्यवस्था में इतना अंतर क्यों है। साथ ही गैस वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाकर नगर क्षेत्र के समस्त उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए। संजीव गर्ग ने बताया है कि इस संबंध में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को भी शिकायत भेजी गई है,

जिस पर संबंधित विभाग द्वारा मामले को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रेषित किए जाने की सूचना दी गई है। नगरवासियों का कहना है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो बड़ी संख्या में उपभोक्ता सामूहिक रूप से अपनी शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएंगे।

जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति के नेतृत्व में ब्लॉक कोतवाली देहात इकाई का किया गया गठन

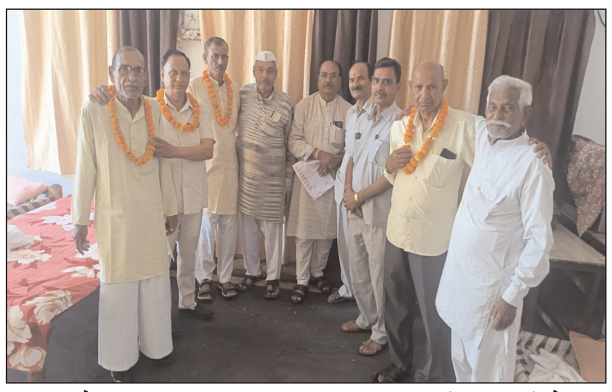

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के संगठन विस्तार अभियान के अंतर्गत जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति के नेतृत्व में ब्लॉक कोतवाली देहात इकाई का गठन किया गया। आयोजित बैठक में समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से कैलाश सिंह प्रजापति को ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारी का फूलमालाओं से स्वागत करते हुए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान किया गया। जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति ने कहा कि महासंघ समाज के उत्थान, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। बैठक में अरुण कुमार प्रजापति, रामगोपाल सिंह, मनजीत सिंह, ऋषिपाल सिंह प्रजापति, विजयपाल सिंह प्रजापति, फततू सिंह प्रजापति, नानक चंद्र प्रजापति, हुकम सिंह प्रजापति, पतराम सिंह प्रजापति, खान चंद प्रजापति, महावीर सिंह प्रजापति, टीकम सिंह प्रजापति, मास्टर फकीरचंद प्रजापति एवं अंकित प्रजापति सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

प्रेस क्लब स्योहारा ने पत्रकारिता दिवस को बनाया जन सेवा दिवस, ट्रेनों में बांटीं 3000 ठंडे पानी की बोतलें

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- पत्रकारिता दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब स्योहारा ने एक अनूठी पहल करते हुए इस दिन को जन सेवा दिवस के रूप में मनाया। भीषण गर्मी और तपती धूप में सफर कर रहे रेल यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए स्योहारा रेलवे स्टेशन पर विशाल शीतल जल वितरण अभियान चलाया गया। शनिवार सुबह से ही प्रेस क्लब स्योहारा के सदस्य स्टेशन परिसर में एकत्र हुए और स्टेशन से गुजरने वाली जनसेवा एक्सप्रेस सहित विभिन्न ट्रेनों के यात्रियों को ठंडे पानी की बोतलें वितरित कीं। अभियान के दौरान लगभग 3,000 पानी की बोतलें यात्रियों को उपलब्ध कराई गईं। चिलचिलाती गर्मी में ठंडा पानी पाकर यात्रियों ने राहत महसूस की और पत्रकारों की इस सेवा भावना की सराहना की। प्रेस क्लब के संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों के संकलन और प्रसारण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मूल उद्देश्य समाज और मानवता की सेवा करना भी है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में यात्रियों तक शीतल जल पहुंचाकर पत्रकारों ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया है। प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक शमीम ने कहा कि आमतौर पर पत्रकारिता दिवस पर गोष्ठियों और सम्मान समारोहों का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार प्रेस क्लब स्योहारा ने इसे जनसेवा से जोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि सभी पत्रकार साथियों और सामाजिक लोगों के सहयोग से हजारों मुसाफिरों तक राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस मानवता सेवा अभियान में प्रेस क्लब के संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा, कांता प्रसाद पुष्पक, अध्यक्ष शारिक शमीम, महामंत्री नजम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद आलम, इमरान मंसूरी, नसीम अहमद, प्रशांत रस्तोगी, राजेंद्र पुष्पक सहित प्रेस क्लब के अनेक सदस्य एवं स्थानीय समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने पूरे उत्साह के साथ ट्रेनों की खिड़कियों तक पहुंचकर यात्रियों को पानी की बोतलें वितरित कीं।

पत्रकारिता दिवस पर आयोजित यह जनसेवा अभियान क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा और लोगों ने इसे पत्रकारिता के सामाजिक सरोकारों का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आज बिजनौर दौरा, प्रशासन अलर्ट

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बिजनौर जनपद में रहेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री बिजनौर के थाना अफजलगढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आलमपुर गांवड़ी पहुंचेंगे। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने कमर कस ली हैं। मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व रविवार को मुनिराज सिंह एवं जसजीत कौर ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हेलीपैड, पार्किंग स्थल, यातायात व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का स्थलीय जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की सूचना मिलते ही जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि मुख्यमंत्री का दौरा सुचारु एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न हो तथा कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

धर्मनंदा ब्लड बैंक का शुभारंभ, रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के रेलवे स्टेशन रोड स्थित वर्मा मैटरनिटी एवं नर्सिंग होम के निकट स्थापित धर्मनंदा ब्लड बैंक का शुभारंभ रविवार को रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान कर किया गया। क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे इस ब्लड बैंक की शुरूआत सामाजिक सरोकार और मानव सेवा के उद्देश्य से की गई है। ब्लड बैंक के संस्थापक डॉ. मनोज वर्मा ने कहा कि स्योहारा एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को समय पर रक्त उपलब्ध न होने के कारण अक्सर परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार गंभीर मरीजों का जीवन भी संकट में पड़ जाता था। इसी आवश्यकता को देखते हुए धर्मनंदा ब्लड बैंक की स्थापना कर इसे क्षेत्र की जनता को समर्पित किया गया है। ब्लड बैंक के निदेशक डॉ. शाश्वत वर्मा, प्रभारी राकेश डोगरा, अमित राणा, टेक्निकल सुपरवाइजर साजिद खान तथा टेक्नीशियन अंकित राणा, विशाल कुमार एवं विशाल राणा ने रक्तदाताओं से रक्त यूनिट एकत्रित करने का कार्य संपन्न कराया। शुभारंभ अवसर पर पत्रकारों, भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों, समाजसेवियों तथा रोटरी क्लब से जुड़े सदस्यों ने रक्तदान कर इस जनहितकारी पहल का समर्थन किया। कार्यक्रम में सीएचसी प्रभारी डॉ. बी.के. स्नेही, शुगर मिल के अधिशासी अध्यक्ष सुखवीर सिंह, किसान यूनियन तहसील अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत सहित अनेक चिकित्सक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटेरियन, समाजसेवी, पत्रकार एवं क्षेत्र के सम्मानित नागरिक मौजूद रहे और कई लोगों ने स्वयं रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति के पदाधिकारीयो ने किया शरबत वितरण

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- सामाजिक सेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाली वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति (रजिस्टर्ड) उत्तर प्रदेश द्वारा रविवार को पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर ब्रह्म बाजार स्थित समिति कार्यालय पर शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में राहगीरों, दुकानदारों एवं स्थानीय लोगों को शीतल शरबत वितरित कर गर्मी से राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बड़ी संख्या में लोगों को शरबत पिलाया। इस दौरान लोगों ने समिति के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में इस प्रकार के सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। समिति की ओर से बताया गया कि पुरुषोत्तम मास सेवा, दान और पुण्य कार्यों का विशेष माह माना जाता है, इसलिए इस अवसर पर जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति हमेशा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाती रही है। जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक जागरूकता, महिला उत्थान तथा मानवीय सेवा के क्षेत्र में समिति लगातार कार्य कर रही है। जब भी किसी व्यक्ति या समाज को आवश्यकता पड़ी है,

समिति ने आगे बढ़कर सहयोग करने का प्रयास किया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष योगदान रहा। सभी ने एकजुट होकर सेवा भाव के साथ कार्यक्रम को संपन्न कराया। समिति ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

FRCT मंडल बैठक में शिक्षक राजपाल को सौंपा बेटी विवाह योजना का चेक

अमरोहा (सब का सपना):- फास्ट रिलीफ चैरिटेबल टीम (FRCT) उत्तर प्रदेश की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन जनपद मुरादाबाद में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य कमान संभाल रहे जिला अध्यक्ष मुरादाबाद सिद्धार्थ के नेतृत्व में मुरादाबाद, संभल और अमरोहा, रामपुर के प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता शोभित सिंह द्वारा संगठन की मजबूती और जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस दौरान मंडल टीम ने माला पहनाकर प्रदेश टीम का स्वागत किया। बैठक में शिक्षक राजपाल यादव को 'बेटी विवाह शगुन योजना' के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का प्रतीकात्मक चेक मुख्य अतिथि एवं प्रदेश प्रवक्ता शोभित सिंह द्वारा प्रदान किया गया। समाजसेवी शोभित सिंह ने उन्हें मुरादाबाद मंडल में पहला सहयोग प्राप्त करने की बधाई दी। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री अंकुर त्रिवेदी सभी से निस्वार्थ भाव एवं लगन से कार्य करने हेतु आभार व्यक्त किया। संभल जिला अध्यक्ष सतीश चंद्र ने बताया कि FRCT आज 1 लाख से अधिक सदस्यों के साथ एक बड़ा ब्रांड बन चुकी है। जिला उपाध्यक्ष तेजपाल सिंह ने बताया कि मात्र 50 रुपये महीने के दान से सदस्य आकस्मिक निधन योजना में लगभग 50 लाख रुपये तक का सुरक्षा कवच और बेटी विवाह योजना में लगभग 5 लाख रुपये तक का सहयोग पा सकते हैं। जिला मीडिया प्रभारी ममता सैनी ने महिलाओं से भी संस्था से जुड़ने की अपील की। जिला महामंत्री शिव कुमार ने बताया कि अब तक संस्था द्वारा 111 बेटियों की शादी में डेढ़ करोड़ एवं 6 दिवंगत सदस्यों के परिवार को बहत्तर लाख रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की जा चुकी है। कार्यक्रम का सफल संचालन संभल जिला महामंत्री शिव कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला संयुक्त मंत्री राजू सिंह, मुरादाबाद जिला मीडिया प्रभारी अनिल सैनी, जिला संगठन मंत्री भीम बहादुर मौर्य, जिला कळ सेल प्रभारी सुमित यादव, जिला मीडिया प्रभारी कल्पना, जिला प्रवक्ता कैलाश सिंह, ब्लॉक संगठन मंत्री भरत चांदना, जिला मीडिया प्रभारी कुंवरपाल सिंह, संभल जिला प्रवक्ता सुभाष चंद्र, संभल जिला उपाध्यक्ष रमेश चंद्र, संभल ब्लॉक अध्यक्ष हनीफ, शिक्षक रामचंद्र सैनी,संभल जिला आईटी सेल प्रभारी नवीन कुमार सक्सेना, शिक्षक मुनेश कुमार, मुरादाबाद जिला IT सेल प्रभारी राजू सिंह,बिल्डर संजीव कुमार,बिल्डर रविशंकर,एच.आर त्यागी,प्रवेंद्र सिंह,रोहतास सिंह,एडवोकेट आकाशदीप,हरपाल प्रजापति,रवि गुप्ता पूनम एवं फील्ड ऑफिसर अतुल आदि मुख्य रूप से मीटिंग में उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने मनाई राजमाता अहिल्याबाई होल्कर जयंती, उनके योगदान को किया याद

बहजोई/संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार जनपद के कैंप कार्यालय बहजोई मैं समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के द्वारा रविवार को राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने राजमाता के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके जीवन, संघर्ष और लोककल्याणकारी कार्यों को याद किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में हुआ था। कम उम्र में विवाह होने के बाद पति और ससुर के निधन के पश्चात उन्होंने साहस के साथ शासन की बागडोर संभाली। उन्होंने लगभग 30 वर्षों तक मालवा राज्य का कुशलतापूर्वक संचालन किया और अपनी प्रशासनिक क्षमता, न्यायप्रियता तथा वीरता से इतिहास में पहचान बनाई। पूर्व मंत्री प्रदीप यादव उर्फ गुड्डू ने कहा कि भारत सरकार ने वर्ष 1996 में राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के सम्मान में डाक टिकट जारी किया था। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई का शासन न्याय और जनकल्याण का आदर्श माना जाता है। उनका दरबार आम जनता के लिए सदैव खुला रहता था और वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनकर त्वरित न्याय करती थीं। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर सनातन संस्कृति और धार्मिक धरोहरों की महान संरक्षक थीं। उन्होंने देशभर में 100 से अधिक मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं, कुओं और तालाबों का निर्माण कराया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर सहित अनेक तीर्थस्थलों के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके शासनकाल को इतिहासकारों ने रामराज्य की संज्ञा दी है। कार्यक्रम में लड्डन मियां, ताहिर उल्ला खान, राजीव यादव, रामू, निसार अहमद, शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरैशी, उमेश दिवाकर, सुमित, केपी यादव, अशोक राणा, अशोक गुप्ता, मुर्शिद खान, रवि यादव, चेतन गुप्ता, रियासत भाई, महबूब अली, तस्लीम भाई, डॉ. राम सिंह, सद्दन शेख, गजेन्द्र, रामबाबू, धर्मेश यादव, सर्वेश दिवाकर, मोबीन भाई, नजाकत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर दिव्यांगों को वितरित किए गए सहायक उपकरण

सिकंदराबाद (बुलंदशहर) /सब का सपना/ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर के दीक्षित पैलेस में निःशुल्क दिव्यांग सहायता उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक ठाकुर लक्ष्मीराज सिंह ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान 21 मोटर ट्राईसाइकिल, 30 श्रवण यंत्र, 8 कमोड सीट, 25 कमर बेल्ट, 50 घुटना बेल्ट समेत अन्य आवश्यक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। विधायक ने कहा कि मोदी सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समाजसेवी अजय कुमार लोधी ने पत्रकारों को स्मृति-चिन्ह देकर किया सम्मानित

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर धर्मपुर रोड स्थित एक होटल में समाजसेवी अजय कुमार लोधी द्वारा पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को स्मृति-चिन्ह एवं कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानप्रकाश बजाज ने की, जबकि मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष अरुण कुमार सिंघल रहे। कार्यक्रम का संचालन विकास वार्ष्णेय ने किया। वक्ताओं ने पत्रकारों को लोकतंत्र का सशक्त प्रहरी बताते हुए हिंदी पत्रकारिता के जनक पंडित जुगल किशोर शुक्ल के योगदान को याद किया।

अजय कुमार लोधी ने कहा कि पत्रकार समाज की आवाज बनकर सत्य और जनहित की रक्षा करते हैं। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर मयंक वार्ष्णेय, नरेश चंद्र सिंघल, नंदन पहलवान, आवेश वार्ष्णेय, उमेश शर्मा, विपिन माहेश्वरी, उमेश वार्ष्णेय, मुकेश लोधी, पिंटू भाई सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सांसद भोला सिंह ने ग्राम बड़खेड़ा में लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

छतारी/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम बड़खेड़ा में नवस्थापित लाइब्रेरी का उद्घाटन सांसद भोला सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के उपरांत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने और उन्हें बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने का आह्वान किया। सांसद ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का केंद्र होता है और इससे गांव के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य अध्ययन कार्यों में लाभ मिलेगा। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, सांसद प्रतिनिधि मनोज गर्ग, दुर्गेश अग्रवाल, श्रीपाल सिंह (चेयरमैन भूमि विकास बैंक), मुनेश कुमार जादौन, मंगल सैन गुप्ता (पूर्व चेयरमैन छतारी), राकेश लोधी, गुलजार लाल, कमल सिंह, मनीष यादव, कलुआ पंडा, परवेंद्र देशवाल, हरपाल सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्रिकेट टूनार्मेंट का ब्लॉक प्रमुख ने फीता काटकर किया शुभारंभ

हसनपुर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र 42 के ग्राम पंचायत हैबतपुर बंजारा में शनिवार को क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने फीता काटकर किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेल से युवाओं में अनुशासन और टीम भावना आती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन प्रतिभाओं को मंच देने का काम करते हैं। उन्होंने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन मैच में स्थानीय टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर पुलिसकर्मियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

बुलन्दशहर (सब का सपना):- विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक के प्रयासों से यमुना क्षेत्र में विकास को मिली रफ्तार, 6 करोड़ के कार्य स्वीकृत

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह से भेंट कर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं पर चर्चा की। विधायक की पहल पर वैलाना, झाझर, चौकी खाजपुर, जैतपुर, अजयनगर, धनपुरा, अलीपुरा, अमीपुर, नगला केशरी एवं गढ़ाना सहित कई गांवों में सड़क, पेयजल, जल निकासी एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों के लिए लगभग ड्6 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।

पेयजल लाइन खुदाई से बाजार बेहाल, धूल-गड्ढों से जनता व व्यापारी परेशान

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर में नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने के लिए की जा रही सड़क खुदाई आम जनता और व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। पुलिस चौकी से सरदारगंज तक कई माह पहले शुरू हुआ कार्य अब तक अधूरा पड़ा है। सड़कें खोदकर छोड़ दिए जाने से बाजार में धूल उड़ रही है और जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे राहगीरों व वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष रोहित पहाड़ी ने बताया कि बदहाल सड़कों के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है। इस मुद्दे पर व्यापारियों की बैठक बुलाकर आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं जल निगम के सहायक अभियंता विनोद गुप्ता ने बताया कि ठेकेदार को खुदाई के बाद तुरंत सड़क समतल करने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

पुरुषोत्तम मास में सेवा समिति ने लगाई छबील, बांटी शिकंजी

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- पुरुषोत्तम मास के तीसरे रविवार को महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव सेवा समिति द्वारा महाराजा अग्रसेन चौराहा (सब्जी मंडी चौराहा) पर छबील लगाकर राहगीरों को शिकंजी वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष किशनपाल सिंह लोधी एवं रचित केबल नेटवर्क के संचालक राजकुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। दोनों अतिथियों ने स्वयं भी लोगों को शिकंजी वितरित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास में किए गए पुण्य कार्यों का फल कई गुना प्राप्त होता है। कार्यक्रम में मनमोहन अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, शानू बंसल, सुधीर गोयल, नरेश बंसल, तुषार कंसल, गोपाल स्वरूप, संजय बंसल, दीपक गर्ग, रिंकू पहाड़ी व रोहित पहाड़ी सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।

तीन उपनिरीक्षक सेवानिवृत्त, पुलिस लाइन में हुआ समारोह

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद पुलिस में लंबे समय तक सेवाएं देने के बाद तीन उपनिरीक्षक सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय ने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह, बलवीर सिंह एवं मुन्नू सिंह को शॉल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

उन्होंने तीनों अधिकारियों के सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। समारोह में प्रतिसार निरीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव सहित पुलिस विभाग के अधिकारी रहे।

विधायक और ब्लॉक प्रमुख ने दिव्यांगों-जरूरतमंदों को बांटे उपकरण

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के गांव तिवड़ा में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान स्याना विधायक देवेंद्र सिंह लोधी और बीबीनगर ब्लॉक प्रमुख पति नरेंद्र सिरोही ने जरूरतमंदों को हाथ की छड़ी, कान की मशीन और इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित किए। कार्यक्रम दानवीर हुड्डा के आवास पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण से हुई। ब्लॉक प्रमुख पति नरेंद्र सिरोही ने माल्यार्पण किया। इस दौरान विधायक देवेंद्र सिंह लोधी और बीजेपी मंडल अध्यक्ष सचिन अहलावत का ग्रामीणों ने साफा पहनाकर स्वागत किया। नरेंद्र सिरोही को भी माला और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। विधायक, ब्लॉक प्रमुख पति और मंडल अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से मात्रा देवी तिवड़ा, सुभाष सिंह तिवड़ा, सुधा देवी तिवड़ा, शकुंतला देवी तिवड़ा, ओमवीर सैदपुर, अजीत सिंह तेजगढ़ी, चंद्रावती धमेड़ा, माशीन कुचेसर, रेखा चंदपुरा और जगवीर लुधपुरा को सहायक उपकरण प्रदान किए। विधायक देवेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर दीपक चौधरी मड़ौना, गुलशन सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

एलिंगुवा प्रीमियर लीग के फाइनल में चेम्पियन किंग्स ने बाजी मारी

बुलंदशहर (सब का सपना):- एलिंगुवा पब्लिक स्कूल, किसौला में आयोजित एलिंगुवा प्रीमियर लीग (एपीएल) क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच, संघर्ष और खेल भावना का अद्भुत उदाहरण बनकर सामने आया। अंतिम गेंद तक चले इस बेहद कांटे के मुकाबले में चैंपियन किंग्स ने स्काई स्मैशर्स को मात्र एक रन से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चैंपियन किंग्स की टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 135 रन का प्रतिस्पर्धात्मक स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से अक्ष ने संयमित एवं आकर्षक बल्लेबाजी करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि अथर्व ने तेज गति से रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वहीं स्काई स्मैशर्स के गेंदबाज शरद ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए चार ओवरों में पांच विकेट झटके और विपक्षी टीम की बल्लेबाजी पर अंकुश बनाए रखा। उनकी घातक गेंदबाजी मैच का प्रमुख आकर्षण रही। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्काई स्मैशर्स की टीम ने भी दमदार प्रदर्शन किया और मुकाबले को अंतिम क्षणों तक रोमांचक बनाए रखा। भाविष्य, यश तथा शरद ने उपयोगी पारियां खेलते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन निर्धारित ओवरों की समाप्ति पर टीम 134 रन ही बना सकी। इस प्रकार चैंपियन किंग्स ने एक रन की रोमांचक जीत के साथ ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। प्रतियोगिता के दौरान मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह, अनुशासन और खेल भावना सराहनीय रही। दर्शकों ने भी पूरे जोश के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे फाइनल मुकाबले का वातावरण और अधिक रोमांचक बन गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में निर्णायक एवं आयोजन समिति के सदस्य प्रदीप कुमार त्यागी, अभय आर्य, अनुराग त्यागी तथा अंकित वत्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कुशल प्रबंधन एवं मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। विद्यालय प्रबंधन ने विजेता एवं उपविजेता दोनों टीमों को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। साथ ही कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

जनपद में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश, भीषण गर्मी से मिली राहत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में रविवार को मौसम ने अचानक करवट ली। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण और उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को उस समय बड़ी राहत मिली, जब आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब 4:30 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। धूल भरी तेज हवाओं के चलने के बाद पूरे बहजोई क्षेत्र में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इस तेज बारिश से जहां एक तरफ तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, वहीं दूसरी तरफ मौसम बेहद सुहाना हो गया है।

पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे पारे और तेज धूप के कारण लोग बेहाल थे और दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा पसर जाता था। हुई इस झमाझम बारिश ने लोगों को चिलचिलाती गर्मी से सीधे तौर पर निजात दिलाई है। बारिश के बाद सुहाने हुए मौसम का लुत्फ उठाने के लिए लोग घरों से बाहर निकल आए। इस बारिश से न सिर्फ आम जनता को सुकून मिला है, बल्कि आने वाले दिनों में भी तापमान में गिरावट रहने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, तेज हवाओं के कारण कुछ जगहों पर पेड़ की टहनियां टूटने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की भी संभावना है।

पुलिस लाइन में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद की पुलिस लाइन बहजोई में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों के सम्मान में एक गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के लंबे सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासित कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट किए। साथ ही शॉल ओढ़ाकर और पुष्पमाला पहनाकर उनका सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पुलिस विभाग में उनकी सेवाएं सदैव याद रखी जाएंगी तथा उनके अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। समारोह में सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक गजराम सिंह (डायल-112) तथा उपनिरीक्षक ताराचन्द्र (रिट सेल) को उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके योगदान को याद किया तथा जीवन के नए चरण के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह का माहौल भावुक होने के साथ-साथ सम्मान और आत्मीयता से परिपूर्ण रहा।

पूर्णिमा के अवसर पर तिगरी एवं बृजघाट गंगा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला तिगरी गंगा धाम एवं ब्रजघाट में रविवार को पूर्णिमा के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और घाट किनारे बैठकर पूजा-पाठ, हवन-पूजन इत्यादि कर पुरोहितों को दान कर अपने ऊत-पितरों की आत्मा शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान गंगा घाट हर हर गंगे एवं हर हर महादेव की जयकारों से गूंज उठे। बता दें कि रविवार को पूर्णिमा होने के कारण ब्रजघाट गंगा तट एवं तिगरी गंगा धाम में सुबह तड़के चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ का आवागमन शुरू हो गया था। ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालुओं ने गंगा मैया के जयकारों के साथ आस्था की डुबकी लगाई एवं सूर्योदय के साथ ही सूर्यदेव को अर्घ्य देकर उपासना की। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने अन्न, वस्त्र और धन का दान किया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने इस पूर्णिमा पर ब्रजघाट गंगा में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने ब्रजघाट और तिगरी गंगा धाम दोनों स्थानों पर पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस बल तैनात रहा और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद थीं। तिगरी गंगा धाम पर सुबह साढ़े नौ बजे तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा।ब्रजघाट में दिल्ली, हरियाणा और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे। वहीं, तिगरी गंगा धाम में गजरौला शहर और आसपास के गांवों के ग्रामीण भी स्नान करने के लिए उमड़े। पुलिस ने पूरे समय सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी।

अलग-अलग सड़क हादसों में कई लोग घायल, अस्पताल में कराया गया भर्ती

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में हुए चार अलग-अलग सड़क हादसों में कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस सेवा की मदद से उपचार के लिए सरकारी अस्पताल बहजोई लाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार रविवार को पहला हादसा गंगा एक्सप्रेस-वे के अंडरपास के पास हुआ, जहां दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में द्रोपा पत्नी सुरेन्द्र, सुन्दर पुत्र जगदीश निवासी बुद्धनगर खंडवा तथा दीपक पुत्र छोटेलाल और नीरू पत्नी दीपक निवासी नागलिया भूड़ घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दूसरी घटना सम्भल रोड स्थित बहजोई रेलवे फाटक के पास हुई, जहां बाइक से गिरकर तारावती पत्नी इंद्रपाल निवासी राजपुर बहजोई घायल हो गईं। उन्हें भी एम्बुलेंस के माध्यम से सरकारी अस्पताल बहजोई में भर्ती कराया गया। तीसरा हादसा भरतरा गांव के पास हुआ, जहां बाइक फिसलने से कुमरपाल पुत्र मोहर सिंह और शिव कुमार पुत्र विरमानी निवासी सराय ज्वालापुरी थाना कुढ़फतेहगढ़ घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। वहीं चौथी घटना फतेहपुर समसोई में हुई, जहां दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में ओम सिंह पुत्र हंसराज निवासी गांव चाटन थाना बहजोई, इंद्रा पत्नी पदमचंद, पदमचंद पुत्र ओमप्रकाश निवासी पुराना बाजार बहजोई, अफजल पुत्र मोहम्मद रजा निवासी फतेहपुर समसोई तथा शाह आलम पुत्र रफीक निवासी सीमापुरी, दिल्ली घायल हो गए।

सभी घायलों का सरकारी अस्पताल बहजोई में उपचार कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार अधिकांश घायलों की हालत सामान्य बताई जा रही है। दुर्घटनाओं के बाद परिजनों में चिंता का माहौल रहा, जबकि पुलिस ने घटनाओं की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

हयातनगर में सुना गया प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम

हयातनगर/संभल (सब का सपना):- जनपद के हयातनगर मंडल में बूथ संख्या 343 एवं शक्ति केंद्र आचार्य मुक्तेश हकीम रईस इंटर कॉलेज पर भाजपा कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं हयातनगर मंडल प्रभारी अर्जुन वाल्मीकि के नेतृत्व में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के नामित सभासद सैयद शान अली के आवास पर किया गया। इस दौरान उपस्थित कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों एवं संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर मसूद अली, सादिक अली, राहिल अली, फारूक अली, शाहनवाज हुसैन, राजू शेख सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री द्वारा समाज, राष्ट्र निर्माण और जनभागीदारी से जुड़े विषयों पर दिए गए संदेशों की सराहना की।

दिल्ली मेडिकल काउंसिल चुनाव के लिए मतदान जारी, देर रात तक आएंगे नतीजे

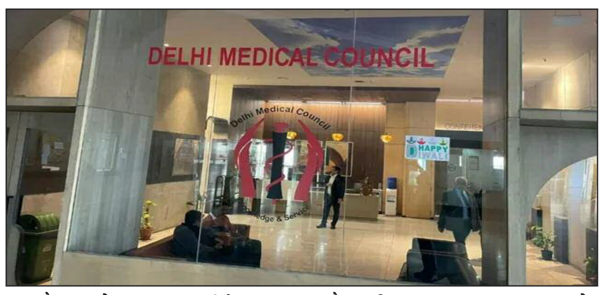

नई दिल्ली। दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के चुनाव के लिए रविवार को राजधानी के डॉक्टर मतदान करेंगे। शास्त्री पार्क स्थित डीएमसी मुख्यालय में सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा, जबकि उसी दिन छह बजे के बाद मतगणना आरंभ होगी। परिणाम बाद देर रात तक घोषित होने की संभावना है। आठ सीटों के लिए 38 उम्मीदवार चुनाव मैदान में डीएमसी की आठ निर्वाचित सीटों के लिए 38 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इस चुनाव को लेकर दिल्ली के चिकित्सा समुदाय में पिछले कई दिनों से राजनीतिक और पेशेवर गतिविधियां तेज रही हैं। दिल्ली मेडिकल काउंसिल से मिली जानकारी के अनुसार डीएमसी में पंजीकृत और अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करा चुके 92 हजार से अधिक डॉक्टर मतदान के पात्र हैं। यही मतदाता आठ सीटों के लिए उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। चुनाव में कई पैनल आमने-सामने हैं। इनमें एक पैनल को भाजपा समर्थित माना जा रहा है, जबकि दूसरे को कार्पोरेट अस्पताल समूहों का समर्थन प्राप्त होने की चर्चा है। जबकि तीसरा पैनल स्वयं को केवल डॉक्टरों द्वारा समर्थित और गैर-राजनीतिक मंच बता रहा है। डॉक्टरों के पंजीकरण में हो रही देरी भी बड़ा मुद्दा चिकित्सकों का कहना है कि डीएमसी जैसी संस्थाओं का मूल उद्देश्य चिकित्सा पेशे की गुणवत्ता बनाए रखना, सरकार को स्वास्थ्य नीतियों में सहयोग देना और चिकित्सकों के हितों की रक्षा करना है। उनका आरोप है कि पूर्व में परिषद अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई थी और इसी कारण उस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे तथा उसे भंग करना पड़ा। चिकित्सकों की मांग है कि परिषद में ऐसे लोगों का चयन होना चाहिए जो चिकित्सकों और मरीजों के हित में काम करें। इस बार चुनाव में डॉक्टरों के पंजीकरण में हो रही देरी भी बड़ा मुद्दा बनकर उभरी है। कई युवा डॉक्टरों का कहना है कि डीएमसी रजिस्ट्रेशन के लिए उन्हें कई सप्ताह तक चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसके अलावा मेडिकल नेग्लिजेंस के मामलों के निस्तारण में देरी, चिकित्सकों के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई की प्रक्रिया तथा स्वास्थ्य नीतियों में डीएमसी की भूमिका भी चुनावी बहस के केंद्र में हैं। डीएमसी में कुल 25 सदस्य होते हैं। इनमें आठ सदस्य सीधे चुनाव के माध्यम से चुने जाते हैं। इसके अलावा दिल्ली के मेडिकल कालेजों से प्रतिनिधि नामित किए जाते हैं, जबकि कुछ सदस्यों का नामांकन दिल्ली सरकार करती है। एक निर्वाचित सदस्य दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन की ओर से भेजा जाता है। यही 25 सदस्य बाद में परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और रजिस्ट्रार का चुनाव करते हैं। डीएमसी का प्रमुख कार्य डॉक्टरों का पंजीकरण करना, चिकित्सा लापरवाही से जुड़ी शिकायतों की जांच करना तथा सरकार को स्वास्थ्य संबंधी नीतियों और उनके क्रियान्वयन में सहयोग देना है। राजधानी में बड़ी संख्या में चिकित्सकों और प्रमुख अस्पतालों की मौजूदगी के कारण डीएमसी की भूमिका देश की अन्य मेडिकल काउंसिलों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है।

द्वारका में जीरो टॉलरेंस अभियान, अवैध विदेशी नागरिकों पर पुलिस का बड़ा वार

द्वारका में विदेशी नागरिकों पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 73 पकड़े गए, 23 होंगे डिपोर्ट

नई दिल्ली, 30 मई। द्वारका जिला पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विशेष सत्यापन अभियान चलाते हुए 73 विदेशी नागरिकों को पकड़ा है। इनमें 60 पुरुष और 13 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने इनमें से 23 विदेशी नागरिकों (15 पुरुष एवं 8 महिलाएं) को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। द्वारका जिला पुलिस द्वारा जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कुशल पाल सिंह के निर्देशन में चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत जिले के विभिन्न इलाकों में घर-घर जाकर सत्यापन किया गया। पुलिस टीमों ने उन क्षेत्रों में विशेष जांच की, जहां बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों के रहने की सूचना थी। अभियान के दौरान रिहायशी कॉलोनियों, किराए के मकानों, गेस्ट हाउस और अन्य ठिकानों पर दस्तावेजों की गहन जांच की गई। पुलिस ने विदेशी नागरिकों के वीजा, रेजिडेंशियल परमिट, पहचान पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया। जांच में कई विदेशी नागरिक वीजा और इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन करते हुए भारत में अवैध रूप से रह रहे पाए गए। पुलिस के अनुसार, सत्यापन के दौरान 38 ऐसे विदेशी नागरिकों की भी पहचान की गई, जिनका संबंध विभिन्न आपराधिक मामलों से रहा है। उनके रिकॉर्ड और गतिविधियों की विस्तृत जांच की जा रही है। द्वारका पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से देश में रहने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जा रही है। पकड़े गए विदेशी नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और आगे की जांच जारी है। डीसीपी कुशल पाल सिंह ने कहा कि यह अभियान इमिग्रेशन कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

उत्तर प्रदेश को चार वर्ष बाद मिला स्थायी डीजीपी, राजीव कृष्णा के पुलिस महानिदेशक पद पर तैनाती का आदेश जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को चार वर्ष बाद पुलिस महानिदेशक मिला है। अभी तक कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक की भूमिका में काम कर रहे 1991 बैच के आईपीएस अफसर राजीव कृष्णा अब स्थायी पुलिस महानिदेशक हो गए हैं।Kराजीव कृष्णा पिछले एक वर्ष से कार्यकारी पुलिस महानिदेशक बने हुए थे। राजीव कृष्णा जून 2025 से कार्यवाहक डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। राजीव कृष्णा की नियुक्ति का आदेश अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद ने जारी किया। राजीव कृष्णा के पास निदेशक सतर्कता अधिष्ठान का भी चार्ज रहेगा। त्तर प्रदेश सरकार ने स्थायी पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए संघ लोक सेवा आयोग के नियमों के तहत प्रक्रिया पूरी की थी। इस पद के लिए शासन स्तर पर तीन सीनियर आईपीएस अधिकारियों रेणुका मिश्रा (1990 बैच), पियूष आनंद (1990 बैच) और राजीव कृष्णा (1991 बैच) के नामों का एक पैनल तैयार कर भेजा गया था। इन तीनों योग्य और वरिष्ठ दावेदारों के पैनल में से अंततः वर्तमान में कार्यवाहक डीजीपी की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्णा के नाम पर अंतिम मुहर लगाई गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वसनीय अफसर के नाम पर मुहर लगा दी है। संघ लोक सेवा आयोग से भेजे गए पैनल पर शासन स्तर पर गहन मंथन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजीव कृष्णा के नाम के प्रस्ताव को अपनी अंतिम मंजूरी दे दी है। मुकुल गोयल के मई 2022 से पद से हटने के बाद अब यूपी पुलिस को पूर्णकालिक डीजीपी मिला है। मुकुल गोयल के हटने के बाद से अब तक डीएस चौहान, आरके विश्वकर्मा, विजय कुमार, प्रशांत कुमार कार्यवाहक डीजीपी रहे। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग करने वाले राजीव कृष्णा वर्ष 2024 में महानिदेशक पद पर प्रोन्नत हुए थे। उनके स्थायी डीजीपी नियुक्त होने से उत्तर प्रदेश को चार वर्ष बाद स्थायी पुलिस प्रमुख मिला है। पुलिस सेवा में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और 2024 में पुलिस महानिदेशक के सर्वोच्च रैंक पर पदोन्नत हुए हैं। गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) के मूल निवासी राजीव कृष्णा का जन्म 26 जून 1969 को हुआ था। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। इसके बाद भारतीय पुलिस सेवा के लिए चुने गए। 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी की भर्ती 15 सितंबर 1991 को हुई थी और 21 अक्टूबर 1993 को कन्फर्म हुए

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है।

अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।'

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।' आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

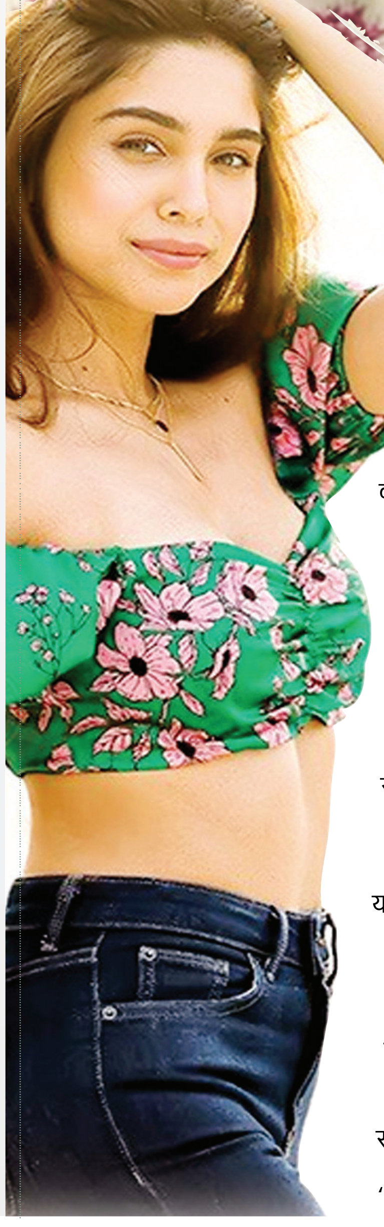

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''

शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी

के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती हैं, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।